प्राप्त हैं कि वे अपनी शिकायतों के निवारण के लिए सेना मुख्यालय/केन्द्रीय सरकार को सांविधिक शिकायतें प्रस्तुत कर सकते हैं। वास्तविक शिकायतें दूर करने के लिए सक्षम प्राधिकारी उनकी निष्पक्ष रूप से जांच करते हैं। शिकायतों का निपटान करने के लिए समय सीमाएं भी निर्धारित की गयी हैं।

दिल्ली छावनी स्थित "सेन्ट्रल व्हीकल डिपो" में अनियमितताएं

2038. **श्री सुरेश पचौरी** : क्या रक्षा मंत्री 30 नवम्बर 1992 को राज्य सभा में तारांकित प्रश्न संख्या 82 के दिये गये उत्तर को देखेंगे और यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या उन्हें संसद सदस्यों/विधायकों को वाहनों के आवंटन के मामले में सेन्ट्रल व्हीकल डिपो द्वारा अनियमितताएं बरते जाने/हेराफेरी किए जाने की शिकायतों सहित इस आशय की शिकायतें प्राप्त हुई हैं कि उक्त डिपो में कार्यरत अधिकारी/कर्मचारी संसद सदस्यों/विधायकों के साथ उचित व्यवहार नहीं करते और उक्त डिपो के अधिकारियों/कर्मचारियों की सांठ-गांठ से कुछ पसंदीदा व्यक्तियों को अच्छे वाहन दिये जा रहे हैं;

(ख) यदि हां, तो दोषी पाए गए अधिकारियों के विरुद्ध सरकार द्वारा क्या कार्यवाही की गई है;

(ग) क्या यह सच है कि संसद सदस्यों के कोटा के अधीन आवंटित किए गए वाहनों की हालत अन्य किसी कोटे के अधीन आवंटित किए गए वाहनों की अपेक्षा खराब होती है; यदि हां, तो इस स्थिति में सुधार करने के लिए क्या कार्यवाही की गई है; और

(घ) क्या यह भी सच है कि उक्त डिपो द्वारा अच्छे वाहन बिचौलियों/एजेंटों के जरिए आवंटित किये जा रहे हैं; यदि हां, तो इस मामले में सुधार करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं ?

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा रक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री एस. कृष्ण कुमार) : (क) और (ख) हाल ही में एक शिकायत प्राप्त हुई है जिसमें निपटान किए जा रहे वाहनों की गुणवत्ता/उनकी हालत तथा संबंधित डिपो के कर्मचारियों के व्यवहार का उल्लेख किया गया है। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि डिपो के कर्मचारियों की मिलीभगत से कुछ पसंदीदा व्यक्तियों को अच्छे वाहन दिए जा रहे हैं। दिल्ली छावनी स्थित केन्द्रीय वाहन डिपों के कमान्डेन्ट को इस आशय के कड़े अनुदेश जारी किए गए हैं कि वे यह सुनिश्चित करें कि कर्मचारी शिष्टाचार/नम्रता से व्यवहार करें। इस संबंध में मौजूदा अनुदेशों को भी दोहराया गया है कि संसद सदस्यों/विधायकों के लिए निपटान किए जाने वाले वाहनों में से, अच्छे वाहनों को अलग रख दिया जाए और इस हेराफेरी की सम्भावनाओं को पूर्णतया समाप्त कर दिया गया है।

(ग) जी नहीं।

(घ) जी नहीं।

Pulse Milte in Madhya Pradesh

2039. SHRI AJIT P. K. JOGI:
CHOWDHRY HARI SINGH :

Will the Minister of FOOD PROCESSING INDUSTRIES be pleased to state :

(a) whether pulse mills have been set up in Madhya Pradesh for processing Arhar and Gram;

(b) whether adequate provisions have been made under the National Pulses Development Scheme; and

(c) if not, the efforts made by Government in this regard ?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF FOOD PROCESSING INDUSTRIES (SHRI GIRIDHAR GOMANGO) : (a) Yes, Sir. Pulse Mills have been set up in Madhya Pradesh for Processing Arhar and Gram.

(b) and (c) The National Pulses Development Project is being implemented in 26 States including Madhya Pradesh and Union Territories of Delhi & Goa. Under this scheme, farmers will be entitled to get 50% of the cost as subsidy for the purchase of Dal Processors subject